भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
25.03.2026 के
तारांकित प्रश्न सं. 471 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत मझवार रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

***471. श्री वीरेन्द्र सिंहः**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में विशेषकर उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर चल रहे कार्यों को पूरा करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) इस योजना के अंतर्गत चंदौली जिले के मझवार स्टेशन पर पुनर्विकास का कार्य कब से किया जा रहा है;
(घ) उक्त कार्य को पूरा होने में कितना समय लगने का अनुमान है;
(ङ) क्या सरकार का विचार चंदौली जिले से दिल्ली के लिए कोई वंदे भारत रेलगाड़ी चलाने का है क्योंकि चंदौली मझवार उत्तर प्रदेश में चंदौली जिला मुख्यालय का स्टेशन है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 25.03.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 471 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च): रेल मंत्रालय द्वारा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। अभी तक, इस योजना के अंतर्गत विकास हेतु 1,338 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से चंदौली जिले के चंदौली मझवार, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन और व्यासनगर स्टेशन और वाराणसी जिले के बाबतपुर, बनारस, काशी, लोहता, शिवपुर, वाराणसी कैंट और वाराणसी सिटी स्टेशन सहित 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित हैं। उत्तर प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग जं., अकबरपुर जं., अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर जं., आंवला, अयोध्या धाम जंक्शन, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदांयू, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराइच, बालामऊ जं., बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जं., बरेली, बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर, बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेसर, गौरीगंज, घाटमपुर, गाजियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा

		जंक्शन, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज जंक्शन, कासगंज जंक्शन, काशी, खलीलाबाद, खोरासन रोड, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर जंक्शन, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग) उत्तर रेलवे, लखनऊ सिटी, लखनऊ जंक्शन (पूर्वोत्तर रेलवे), मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जंक्शन, मगहर, महाराजा बिजली पासी, महोबा जंक्शन, मैलानी जंक्शन, मैनपुरी जंक्शन, मल्हौर, मानक नगर, मानिकपुर जंक्शन, मारियाहू, मथुरा जंक्शन, मऊ जंक्शन, मेरठ सिटी जंक्शन, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद जंक्शन, मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जंक्शन, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, फूलपुर, पीलीभीत जंक्शन, पुखरायां, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, रायबरेली जंक्शन, राजा की मंडी, रामघाट हाल्ट, रामपुर जंक्शन, रेनुकूट, सहारनपुर जंक्शन, सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जंक्शन, शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जंक्शन, शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जंक्शन, सोनभद्र, श्रीकृष्ण नगर, सुल्तानपुर जंक्शन, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जंक्शन, उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जंक्शन, उतरेतिया जंक्शन, वाराणसी कैंट, वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, व्यासनगर, जाफराबाद

पूरे किए गए स्टेशन

उत्तर प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। अभी तक, उत्तर प्रदेश राज्य में 23 स्टेशनों पर कार्य पूरे किए जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश राज्य में पूरे किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं :-

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	23	अयोध्या धाम जंक्शन, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, फतेहाबाद, फतेहपुर, गोला गोकर्णनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जं., इज्जतनगर, खलीलाबाद, मैलानी जंक्शन, पनकी धाम, पुखरायां, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जं., सिद्धार्थ नगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी

अन्य स्टेशनों पर भी विकास संबंधी कार्यकलाप तेज गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

चंदौली जिला:

• चंदौली मझवार स्टेशन: मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्लेटफार्म की सतह की ऊंचाई बढ़ाने और प्लेटफार्म संख्या 1 और 4/5 का विस्तार, शौचालय, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग के कार्य पूरे किए गए हैं। 6 मीटर ऊपरी पैदल पुल, प्लेटफार्म शेल्टर और प्लेटफार्म संख्या 1 और 4/5 की सतह से संबंधित कार्य शुरू किए गए हैं।

• व्यासनगर स्टेशन: स्टेशन भवन का संरचना संबंधी कार्य पूरा किया गया है। परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और स्टेशन भवन के फिनिशिंग के कार्य शुरू किए गए हैं।

• पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं. स्टेशन: पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं. स्टेशन का मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। मास्टर प्लान तैयार करना एक पुनरावृत्तिमूलक प्रक्रिया है जिसमें युक्तिकरण की आवश्यकता होती है और इस चरण पर ऐसे इष्टतमीकरण के लिए समय सीमा और अन्य ब्यौरे निर्दिष्ट नहीं किए जा सकते हैं।

वाराणसी जिला:

• बाबतपुर स्टेशन: दूसरे प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन के कार्य, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म की सतह की ऊंचाई बढ़ाने और प्लेटफार्म की सतह के कार्य शुरू किए गए हैं।

• बनारस स्टेशन: मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्रांगण, चारदीवारी, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रतीक्षालय/कक्ष, शौचालय और प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर के सुधार संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

• शिवपुर स्टेशन: चारदीवारी और पुनर्बलित सीमेंट कंक्रीट शिरोपरि टैंक से संबंधित कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन, पोर्टिको, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग के सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।

• वाराणसी सिटी स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्रांगण, शौचालय, प्लेटफ़ॉर्म संख्या 2/3 और 4/5 पर मौजूदा ऊपरी पैदल पुल पर लिफ्ट, पहुंच मार्ग और चारदीवारी से संबंधित कार्य पूरे कर लिए गए हैं। प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल और दिव्यांगजनों हेतु सुविधाओं के कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकता के अनुसार कार्य शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में स्टेशनों में सुधार करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। इस मास्टर प्लान में निम्नानुसार शामिल हैः-

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच मार्ग में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार कार्य,
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथ में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान,
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान,
- प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर,
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडाल एकीकरण,
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली,
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की परिकल्पना भी की गई है।

स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, विद्युत/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या निर्वाचन क्षेत्र-वार या राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पाँच क्षेत्रीय रेलों नामतः पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 3,794 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (फरवरी, 2026 तक) 3,694 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

गाड़ी सेवाएं:

वर्तमान में चंदौली मझवार स्टेशन पर 12 गाड़ियों द्वारा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, जिनमें 12397/12398 गया-नई दिल्ली महाबोधी एक्सप्रेस की दैनिक गाड़ी सेवा शामिल है, जिनसे चंदौली मझवार-दिल्ली खंड की आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है। चंदौली मझवार स्टेशन को सेवित करने वाली गाड़ियों की सूची निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	गाड़ी संख्या और नाम
1	12397 गया-नई दिल्ली एक्सप्रेस
2	12398 नई दिल्ली-गया एक्सप्रेस
3	13009 हावड़ा-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस
4	13010 योग नगरी ऋषिकेश-हावड़ा एक्सप्रेस
5	13553 आसनसोल-वाराणसी एक्सप्रेस
6	13554 वाराणसी-आसनसोल एक्सप्रेस
7	63293 देहरी ऑन सोन-पं. दीन दयाल उपाध्याय मेमू
8	63294 पंडित दीन दयाल उपाध्याय - देहरी ऑन सोन मेमू
9	63295 गया जंक्शन-पंडित दीन दयाल उपाध्याय मेमू
10	63296 पंडित दीन दयाल उपाध्याय-गया मेमू
11	63557 बरकाकाना-वाराणसी मेमू
12	63558 वाराणसी-बरकाकाना मेमू

इसके अलावा, किसी भी मार्ग/खंड पर वंदे भारत गाड़ी सेवाओं सहित रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना, निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नानुसार शामिल हैं:-

- **उस खंड की क्षमता**
- **मार्ग की उपलब्धता**
- **अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता**
- **चल स्टॉक के लिए उपयुक्त अवसंरचना की उपलब्धता**
- **रेलपथों और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता**

*****